

जावत दे. यावत।

जावन पुं. (देश.) जाने का भाव या क्रिया।

जावन्य पुं. (तत्.) तेजी, वेग, शीघ्रता।

जावा पुं. (तत्.) पूर्वी एशिया का एक महाद्वीप।

जावित्री स्त्री. (तत्.) जायफल के ऊपर का छिलका जो बहुत सुगंधित होता है और औषध के काम आता है।

जासूद पुं. (देश.) एक प्रकार का वृक्ष जिससे रस्सी बनाते हैं।

जासूस पुं. (अर.) गुप्त रूप से किसी बात का पता लगाने वाला, मुखबिर, भेदिया।

जासूसी स्त्री. (अर.) जासूस का काम, गुप्त रूप से पता लगाने की क्रिया।

जास्ती वि. (अर.) आवश्यकता से अधिक, ज्यादा।

जाहिर वि. (अर.) जो दिया हुआ हो, प्रकट, 2. विदित, जाना हुआ।

जाहिरा क्रि.वि. (अर.) देखने में, प्रकट रूप से।

जाहिरी वि. (अर.) ऊपरी, वास्तव में, दिखाऊ।

जाहिल वि. (अर.) नासमझ, मूर्खता, अज्ञानता।

जाहिलियत स्त्री. (अर.) 1. इस्लाम की स्थापना से पहले का काल 2. नासमझी।

जाही स्त्री. (तद्.) चमेली की जाति का एक प्रकार का सुगंधित फूल 2. एक प्रकार की आतिशबाजी।

जाह्नवी स्त्री. (तत्.) जहनु ऋषि से उत्पन्न, गंगा।

जिक स्त्री. (अं.) जस्ते का क्षार।

जिंगिनी स्त्री. (तत्.) जिंगिन का पेड़।

जिंगी स्त्री. (तत्.) मजीठ।

जिंजर पुं. (अं.) 1. अदरक 2. अदरक से बना एक प्रकार का पेय।

जिंदगानी स्त्री. (फा.) जीवन, जिंदगी।

जिंदगी स्त्री. (फा.) जीवन मुहा. जिंदगी से हाथ धोना- जीने से निराश होना; जिंदगी के दिन पूरा करना- दिन काटना।

जिंदा वि. (फा.) जीवित, जीता हुआ मुहा. जिंदा दिल- खुश मिजाज, विनोद प्रिय; प्रयो. जिंदाबाद- अमर रहे।

जिंदा दिल वि. (फा.) खुश मिजाज, दिल्लगीबाज, विनोदप्रिय।

जिंदा दिली स्त्री. (फा.) प्रसन्न रहने या विनोद का भाव।

जिंदाबाद अव्य. (फा.) चिरजीवी हो, अमर रहे प्रयो. इनकलाब जिंदाबाद- क्रांति चिरजीवी हो।

जिंवाना स.क्रि. (देश.) दे. जिमाना।

जिस स्त्री. (अं.) 1. वस्तु 2. किस्म 3. लिंग 4. जाति।

जिउकिया पुं. (तद्.) जीविका करने वाला, रोजगारी।

जिक्र पुं. (अर.) चर्चा, बातचीत, प्रसंग।

जिगल्लु पुं. (तत्.) प्राणवायु।

जिगर पुं. (फा.) 1. कलेजा मुहा. जिगर का टुकड़ा होना- अत्यंत प्रिय होना; जिगर थाम कर बैठना- असह्य दुख से पीड़ित होना 2. चित्त, मन 3. साहस, हिम्मत 4. गूदा, सत्त, सार।

जिगरा पुं. (फा.) साहस, हिम्मत, जीवट।

जिगरी वि. (फा.) दिली, भीतरी, घनिष्ठ जैसे- जिगरी दोस्त।

जिगामिषा वि. (तत्.) जाने की इच्छा।

जिगामिषु पुं. (तत्.) जाने का इच्छुक।

जिगीषा स्त्री. (तत्.) 1. जय की इच्छा, विजय प्राप्ति की कामना 2. उद्योग, धंधा, व्यवसाय 3. प्रतिस्पर्धा।

जिगीषु वि. (तत्.) 1. युद्ध की इच्छा रखने वाला 2. विजय का इच्छुक।

जिघत्नु वि. (तत्.) वथ की इच्छा रखने वाला।